Series RHB/2

Code No. **3/2/1**
कोड नं.

Roll No.
रोल नं.

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **16** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **16** प्रश्न हैं ।
- **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।**
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

SUMMATIVE ASSESSMENT – II

संकलित परीक्षा – II

HINDI
हिन्दी

(Course A)
(पाठ्यक्रम अ)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

Time allowed : 3 hours | *Maximum Marks : 80*

निर्देश : *(i)* *इस प्रश्न-पत्र के **चार** खण्ड हैं — क, ख, ग और घ।*

(ii) *चारों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है ।*

(iii) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के उत्तर क्रमशः दीजिए ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

हमारे देश की एक प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ बसने वाले लोग अनेक धर्मों को मानते हैं, नाना प्रकार की भाषाएँ बोलते हैं; तथा खान-पान, रहन-सहन और रीति-रिवाज में भी उनकी रुचियाँ विभिन्न हैं । बाहर से आई विभिन्न जातियाँ इस देश को ही अपना देश मानकर रहती आई हैं । यही कारण है कि भारत छोटे पैमाने पर सारे संसार का नमूना पेश करता है; और चूँकि नाना धर्मों और नाना भाषाओं का देश होकर भी भारत एक देश रहा है, अतएव जो लोग सारे संसार को एक बनाने की बात कर रहे हैं, उन्हें भारत को देखकर यह आशा बँधती है कि किसी-न-किसी दिन सारा संसार एक होकर रहेगा तथा दुनिया में जो अनेक भाषाएँ, अनेक धर्म और अनेक मतवाद प्रचलित हैं, वे संसार को एक होने से रोक न सकेंगे । सारी विभिन्नताओं को क़ायम रखकर भारत ने जिस एकता को प्राप्त किया है, वही एकता संसार का ध्येय है । विभिन्नताओं को ज़बर्दस्ती दबाकर बनावटी एकता पैदा करने की शैली तानाशाही की होती है । किन्तु भारत की एकता ऊपर से लादी नहीं गई है, भारत की सांस्कृतिक चेतना से उत्पन्न हुई है । यही एकता भारत की शोभा है । इसी एकता के कारण ग़ुलामी के दिनों में भी यह देश संसार के लिए पूजनीय रहा है और इसी एकता के कारण भारत सारी दुनिया की आशा का केंद्र बना हुआ है । यह भारत की सांस्कृतिक विशेषता का परिणाम है । हमारी संस्कृति जातीय एकता सिखाती है, वह सिखाती है कि अन्य धर्मों को हम केवल सहन ही न करें, उनको अपना ही धर्म समझें ।

(i) हमारे देश की प्रमुख विशेषता है

(क) यहाँ के निवासी धार्मिक हैं

(ख) यहाँ अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं

(ग) यहाँ बसने वालों के धर्म, भाषा, खान-पान आदि अलग-अलग हैं

(घ) यहाँ रहने वालों के रीति-रिवाज अलग-अलग हैं

(ii) भारत सारे संसार का नमूना पेश करता है, कैसे ?

(क) आपसी प्रेम-भाव से

(ख) अपनी संस्कृति की विशेषता से

(ग) अनेकता में एकता की भावना से

(घ) बाहर से आई जातियों को आश्रय देने से

(iii) भारत में भिन्नताओं के मध्य एकता का कारण है

(क) यहाँ का शासक वर्ग

(ख) यहाँ की भौगोलिक स्थिति

(ग) लोगों में राष्ट्रीय एकता की भावना

(घ) भारत की सांस्कृतिक चेतना

(iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) भारत की प्रमुख विशेषता

(ख) भिन्नताओं का देश भारत

(ग) अनेकता में एकता, भारत की विशेषता

(घ) भारत में जातीय एकता

(v) 'हमारे देश की प्रमुख विशेषता यह है कि यहाँ बसने वाले लोग नाना धर्मों को मानते हैं'
— रेखांकित वाक्य का भेद है

(क) प्रधान वाक्य

(ख) संयुक्त वाक्य

(ग) मिश्र वाक्य

(घ) सरल वाक्य

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

बुद्ध के पहले भारत में संस्कृति की एक ही धारा बहती थी, जिसे हम वैदिक संस्कृति के नाम से जानते हैं । किन्तु बुद्ध के आविर्भाव के बाद इस देश में संस्कृति की दो धाराएँ बहने लगीं । पहली धारा संस्कृति की वह पुरानी धारा है, जो वर्णाश्रम धर्म का समर्थन करती है, जाति-प्रथा की समर्थक है तथा अन्य धर्मों और संस्कृतियों के प्रभाव से बचना चाहती है । दूसरी धारा वह है जो बुद्ध के कमंडलु से निकली है । यह धारा उदार मानवता की धारा है जो वर्णाश्रम धर्म के विरुद्ध है, जात-पाँत को नहीं मानती है, छुआछूत को अधर्म समझती है, मनुष्य को जन्म से श्रेष्ठ नहीं मानती । बुद्ध की यह दृष्टि आधुनिक विचारधारा के अनुरूप है, किन्तु इस दृष्टि में आधुनिकता से बेमेल बात यह है कि वह भिक्षु धर्म को, संन्यास की प्रवृत्ति को श्रेष्ठ समझती है। वह जीवन को जलता हुआ मकान मानकर इस आग से भाग निकलने का उपदेश देती है । इस दृष्टि के प्रभाव से देश के हज़ारों युवक जो देश का उत्पादन बढ़ाकर समाज का भरण-पोषण करने लायक थे, संन्यासी हो गए ।

(i) संस्कृति की पुरानी धारा

(क) गौतम बुद्ध में विश्वास नहीं रखती

(ख) जाति-व्यवस्था को जन्म पर आधारित मानती है

(ग) अन्य संस्कृतियों की छाया में पनपी है

(घ) वैदिक संस्कृति से भिन्न है

(ii) लेखक ने संस्कृति की दूसरी धारा किसे कहा है ?

(क) वैदिक संस्कृति को

(ख) हिन्दू संस्कृति को

(ग) बौद्ध संस्कृति को

(घ) प्राचीन संस्कृति को

(iii) दूसरी सांस्कृतिक धारा आधुनिकता के अनुरूप है, क्योंकि वह

(क) जात-पाँत और छुआछूत को नहीं मानती

(ख) प्राचीनता का विरोध करती है

(ग) वैदिक धर्म को नहीं मानती

(घ) युवकों को संन्यास की प्रेरणा देती है

(iv) गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक होगा

(क) भारतीय संस्कृति

(ख) भारत की दो सांस्कृतिक धाराएँ

(ग) बौद्ध धर्म और सांसारिकता

(घ) आधुनिकता की समर्थक संस्कृति

(v) 'वेदना से कराहने लगीं' — 'वेदना' शब्द की व्याकरणिक कोटि है — वाक्यांश में रेखांकित वाक्य किस प्रकार की क्रिया है ?

(क) व्यक्तिवाचक संज्ञा

(ख) जातिवाचक संज्ञा

(ग) भाववाचक संज्ञा

(घ) द्रव्यवाचक संज्ञा

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

मन-दीपक निष्कम्प जलो रे !
अखिल गगन में मेघ भरे हों,
भरने दो गहरे हो जाएँ ।
गहन विपिन के तिमिर कढ़े हों,
कढ़ने दो दुहरे हो जाएँ ।
फिर भी तुम दुख की गोदी में
निर्भय बन निःशंक जलो रे !
सागर की उत्ताल तरंगें,
आसमान को छू-छू जाएँ
डोल उठे डगमग भूमंडल
अग्निमुखी ज्वाला बरसाएँ
फिर भी तुम ज़हरीले फन को
कालजयी बन कर कुचलो रे !
पग-पग पर पत्थर औ' काँटे
तेरा पग छलनी कर जाएँ
श्रान्त-क्लान्त करने को आतुर
क्षण-क्षण में जग की बाधाएँ
फिर भी तुम हिमपात-तपन में
बिना आह चुपचाप चलो रे !

(i) 'अखिल गगन में मेघ भरे' होने का तात्पर्य है

(क) आकाश में चमकती बिजली

(ख) मुसीबतों से घिरी ज़िंदगी

(ग) जिसमें कुछ भी दिखाई न दे ऐसा अँधेरा

(घ) निराशा से भरा जीवन

(ii) 'सागर की उत्ताल तरंगें
आसमान को छू-छू जाएँ' — का भावार्थ है

(क) आकाश को छूने वाली समुद्र की लहरें

(ख) संघर्षमय कठिन परिस्थितियों का सामना

(ग) तूफानी समुद्र में कूद पड़ना

(घ) हृदय की तप्त व्यथाएँ

(iii) 'पत्थर' और 'काँटे' प्रतीक हैं

(क) बाधाएँ और कष्ट

(ख) पहाड़ और चट्टानें

(ग) अनिष्ट और दुख

(घ) रुकावटें और वेदनाएँ

(iv) काव्यांश का संदेश है

(क) हित और परोपकार करना

(ख) निडर होकर कठिनाइयों का सामना करना

(ग) मार्ग से पत्थर-काँटे हटाना

(घ) सुख-दुख की चिंता न करना

(v) 'मन-दीपक' में अलंकार है

(क) उपमा

(ख) उत्प्रेक्षा

(ग) श्लेष

(घ) रूपक

4. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए : *1×5=5*

मैं चला, तुम्हें भी चलना है असिधारों पर,
सर काट हथेली पर लेकर बढ़ आओ तो ।
इस युग को नूतन स्वर तुमको ही देना है,
अपनी कूवत को आज ज़रा आज़माओ तो ।

तुम बना सकोगे भूतल का इतिहास नया,
मैं गिरे हुओं को, अपने गले लगाऊँगा ।
क्यों ऊँच-नीच, कुल, जाति, रंग का भेद-भाव ?
मैं रूढ़िवाद का कल्मष-महल ढहाऊँगा ।
तुम बढ़ा सकोगे डग उन ज्वलित अँगारों पर ?
मैं काँटों पर बिंधते-बिंधते बढ़ जाऊँगा ।
लहरें उट्ठेंगी, सागर की विस्तृत छाती पर
मैं कूद स्वयं पतवार हाथ में थामूँगा ।
ज़िंदगी, जिन्हें वसुधा की रक्षा हेतु बनी
मर-मर कर सदियों तक यों ही वे जीते हैं ।
दुनिया को देते अमृत की रसधार विमल
ख़ुद हँसते-हँसते कालकूट को पीते हैं ।

(i) 'तुम्हें भी चलना है असिधारों पर' — पंक्ति का तात्पर्य है

(क) युवकों को तलवार लेकर चलना है

(ख) नौजवानों को असीमित कठिनाइयाँ झेलनी हैं

(ग) देश-प्रेमियों को हिंसा का सामना करना है

(घ) सपूतों को आगे बढ़ना है

(ii) 'मैं रूढ़िवाद का कल्मष-महल ढहाऊँगा' — पंक्ति में 'रूढ़िवाद के कल्मष-महल' का आशय है

(क) महलों के पुराने खंडहर

(ख) पुराने रीति-रिवाजों का समर्थन

(ग) अंधविश्वासों की अँधेरी दुनिया

(घ) प्राचीन प्रथाओं की उपयोगिता

(iii) 'तुम बढ़ा सकोगे डग उन ज्वलित अँगारों पर' — पंक्ति में 'ज्वलित अँगार' का प्रतीकार्थ है

(क) धधकते आग के गोले

(ख) ज्वलंत समस्याएँ

(ग) भीषण बाधाएँ

(घ) संकटों का सामना

(iv) 'वसुधा की रक्षा हेतु ज़िन्दगी उनको मिलती है' — जो

(क) बलिदान देना जानते हैं

(ख) देश के लिए त्याग कर सकते हैं

(ग) संसार को सुखी बना सकते हैं

(घ) प्रसन्नचित्त रहते हैं

(v) '............ बिंधते-बिंधते बढ़ जाऊँगा' में अलंकार है

(क) यमक

(ख) श्लेष

(ग) अनुप्रास

(घ) मानवीकरण

खण्ड ख

5. (i) जिस वाक्य में एक प्रधान उपवाक्य के साथ एक या अधिक आश्रित उपवाक्य हों, उसे कहते हैं *1*

(क) संयुक्त वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) सरल वाक्य

(घ) साधारण वाक्य

(ii) निम्नलिखित में मिश्र वाक्य पहचानकर लिखिए : *1*

(क) मैं प्रवचन सुनकर चला आया ।

(ख) तुमने जो बात कही है वह अनुचित है ।

(ग) मोहन ने बहुत कठिनाइयाँ झेलकर यह मकान बनाया है ।

(घ) वर्षा हुई और चारों ओर हरियाली छा गई ।

(iii) निम्नलिखित में से संयुक्त वाक्य छाँटिए : *1*

(क) जैसे ही पुलिस आई, वह भाग गया ।

(ख) हम कल कन्याकुमारी जाएँगे ।

(ग) मैंने उसे गहरे पानी में जाने से मना किया पर वह नहीं माना ।

(घ) हाथ फैलाना दीनता का द्योतक है ।

(iv) निम्नलिखित में से सरल वाक्य छाँटिए : *1*

(क) जो भाग्य के आश्रित हैं, उन्हें सफलता नहीं मिलती ।

(ख) जैसे ही बच्चे ने माँ को देखा वैसे ही रोना बंद कर दिया ।

(ग) सफलता साहसी के क़दम चूमती है ।

(घ) वह आएगा तो हम प्रोग्राम बनाएँगे ।

6. नीचे दिए गए वाक्यों में रेखांकित शब्दों के पद-परिचय हेतु दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर लिखिए : *1×4=4*

(i) <u>विद्वान्</u> व्यक्ति सर्वत्र पूजा जाता है ।

(क) विशेषण, संख्यावाचक, पुंल्लिग, एकवचन

(ख) विशेषण, गुणवाचक, पुंल्लिग, एकवचन

(ग) विशेषण, सार्वनामिक, पुंल्लिग, एकवचन

(घ) संज्ञा, जातिवाचक, पुंल्लिग, एकवचन

(ii) <u>छिः-छिः</u> तू बड़े भाई के लिए अपशब्द बोलता है ।

(क) विस्मयादिबोधक / आश्चर्य का द्योतक

(ख) विस्मयादिबोधक / हर्षसूचक

(ग) विस्मयादिबोधक / शोक-द्योतक

(घ) विस्मयादिबोधक / घृणा-द्योतक

(iii) <u>हमको</u> सावधान रहना चाहिए ।

(क) निजवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन

(ख) संकेतवाचक सर्वनाम, मध्यम पुरुष, एकवचन

(ग) पुरुषवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, बहुवचन

(घ) अनिश्चयवाचक सर्वनाम, उत्तम पुरुष, एकवचन

(iv) वह भाई को राखी <u>बाँधती</u> है ।

(क) अकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, पुंल्लिग, एकवचन

(ख) सकर्मक क्रिया, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, एकवचन

(ग) सहायक क्रिया, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, एकवचन

(घ) नामधातु क्रिया, वर्तमान काल, स्त्रीलिंग, एकवचन

7. (i) कर्तृवाच्य किसे कहते हैं ? निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिए :

(क) जहाँ कर्म प्रधान होता है

(ख) जहाँ भाव की प्रमुखता होती है

(ग) जहाँ कर्ता ही सक्रिय रहता है

(घ) जहाँ कर्ता अप्रमुख हो जाता है

(ii) निम्नलिखित में से कर्मवाच्य वाला वाक्य छाँटिए :

(क) अब यह काम कैसे किया जाएगा ?

(ख) तुम बनारस कब जा रहे हो ?

(ग) यह चौड़ी नहर तुमसे तैरी नहीं जाएगी ।

(घ) यह किताब आपने लिखी है ।

(iii) निम्नलिखित में से भाववाच्य वाले वाक्य का चयन कीजिए :

(क) दृश्य देखकर वह आश्चर्यचकित हो गया ।

(ख) बंद कमरे में सोया नहीं जाएगा ।

(ग) यह नाटक भवभूति द्वारा लिखा गया है ।

(घ) पेड़ों को पानी दीजिए ।

(iv) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए :

(क) वाद-विवाद प्रतियोगिता में उससे कुछ बोला ही नहीं गया ।

(ख) पुरोहित द्वारा मंत्रोच्चारण किया जा रहा है ।

(ग) पत्रिका में सुंदर कविता छापी गई है ।

(घ) गाँधीजी ने अहिंसा का संदेश दिया ।

8. (i) जहाँ क्रिया का वाच्य बिन्दु न कर्ता हो, न कर्म, उसे कहते हैं

(क) कर्तृवाच्य

(ख) कर्मवाच्य

(ग) भाववाच्य

(घ) अकर्तृवाच्य

(ii) 'अनैतिकता हमें बरबाद कर देगी,' इस वाक्य में 'अनैतिकता' पद है

(क) संज्ञा

(ख) सर्वनाम

(ग) विशेषण

(घ) क्रिया-विशेषण

(iii) संयुक्त वाक्य पहचानकर लिखिए *1*

(क) तुम उसे और प्रलोभन क्यों दे रहे हो ?

(ख) वह सुनेगा और तुम्हारी मूर्खता पर हँसेगा ।

(ग) आलसी और अकर्मण्य जीवन व्यर्थ है ।

(घ) अब कोई और बात कीजिए ।

(iv) 'कटि किंकिनी कै धुनि की मधुराई' में अलंकार है *1*

(क) उपमा

(ख) अनुप्रास

(ग) यमक

(घ) रूपक

9. (i) उपमान किसे कहा जाता है ? *1*

(क) जिसकी तुलना की जाए

(ख) जिससे तुलना की जाए

(ग) जिस शब्द के द्वारा तुलना की जाए

(घ) जिसके द्वारा उपमेय और उपमान की विशेषता बताई जाए

(ii) निम्नलिखित पंक्तियों में अनुप्रास का उदाहरण छाँटिए : *1*

(क) कल्पलता-से अतिशय कोमल

(ख) आँख लगती है तब आँख लगती ही नहीं

(ग) प्यारी राधिका को प्रतिबिम्ब-सो लखत चंद

(घ) पल-पल पलटति भेस

(iii) निम्नलिखित में रूपक अलंकार का उदाहरण पहचानकर लिखिए : *1*

(क) तारा-सी तरुनि

(ख) मंद हँसी मुखचंद जुन्हाई

(ग) नीलगगन-सा शांत हृदय था हो रहा

(घ) निकल रही थी मर्मवेदना करुणा-विकल कहानी-सी

(iv) किस काव्यांश में मानवीकरण अलंकार का प्रयोग हुआ है ? 1

(क) दीपक-सा जलना होगा

(ख) इस असार संसार में, सार चार कह व्यास

(ग) ऊँचा होता ताड़ का वृक्ष मानो छूने अंबरतल को

(घ) सत्य स्वयं घायल हुआ गई अहिंसा चूक

खण्ड ग

10. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए : $1 \times 5 = 5$

अपने ऊहापोहों से बचने के लिए हम स्वयं किसी शरण, किसी गुफ़ा को खोजते हैं जहाँ अपनी दुश्चिन्ताओं, दुर्बलताओं को छोड़ सकें और वहाँ से फिर अपने लिए एक नया तिलिस्म गढ़ सकें । हिरन अपनी ही महक से परेशान पूरे जंगल में उस वरदान को खोजता है जिसकी गमक उसी में समाई है । अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ यही सोचते आए हैं कि सातों सुरों को बरतने की तमीज़ उन्हें सलीक़े से अभी तक क्यों नहीं आई ?

(i) 'ऊहापोहों से' का अभिप्राय है

(क) उलझनों से

(ख) तर्क-वितर्क से

(ग) सोच-विचार से

(घ) समस्याओं से

(ii) 'हम किसी की शरण और एकांत को क्यों खोजते हैं ?

(क) परेशानियों से छुटकारा पाने के लिए

(ख) इच्छा-पूर्ति हेतु

(ग) सांसारिक कठिनाइयों से मुक्ति पाकर, नई राह पाने के लिए

(घ) दुनिया से मुँह छिपाने के लिए

(iii) हिरन कौन-सी महक से परेशान होता है ?

(क) जंगलों से आ रही सुगंध से

(ख) हिरण की नाभि में स्थित सुगंधित वस्तु से

(ग) विशेष प्रकार की औषधीय गंध से

(घ) अपने मन की अमिट प्यास से

(iv) हिरन जंगल में किस वरदान को खोजता है ?

(क) जो उसके पास नहीं है

(ख) जो उसके पास है

(ग) जो उसे मिल सकता है

(घ) जो जंगल में उपलब्ध है

(v) अस्सी बरस से बिस्मिल्ला खाँ क्या सोचते आए हैं ?

(क) शहनाई की मंगल-ध्वनि की मिठास के बारे में

(ख) सच्चे स्वरों को शहनाई में उतारने के विषय में

(ग) सातों स्वरों के प्रयोग की तमीज़ के बारे में

(घ) सुरों में प्रभावकारी गुणों को पैदा करने के बारे में

अथवा

हमारी समझ में मानव-संस्कृति की जो योग्यता आग व सुई-धागे का आविष्कार कराती है, वह भी संस्कृति है; जो योग्यता तारों की जानकारी कराती है, वह भी है; और जो योग्यता किसी महामानव से सर्वस्व त्याग कराती है, वह भी संस्कृति है । और सभ्यता ? सभ्यता है संस्कृति का परिणाम । हमारे खाने-पीने के तरीक़े, हमारे ओढ़ने-पहनने के तरीक़े, हमारे गमनागमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीक़े; सब हमारी सभ्यता हैं । मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन-रात आत्म-विनाश में जुटा हुआ है, उसे हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जाएगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी ।

(i) लेखक के अनुसार संस्कृति का स्वरूप क्या नहीं है ?

(क) नई वस्तुओं की खोज

(ख) खोज की गई वस्तुओं के प्रयोग का तरीक़ा

(ग) विनाश के साधनों को जुटाने की प्रेरणा

(घ) भूखों को भोजन खिलाने की प्रेरणा

(ii) लेखक ने सभ्यता किसको कहा है ?

(क) संस्कृति को

(ख) संस्कृति के परिणामों को

(ग) वैज्ञानिक साधनों की जानकारी न होने को

(घ) आविष्कृत विनाशक उपकरणों को

(iii) संस्कृति असंस्कृति कब कहलाती है ?

(क) जब राक्षसी प्रवृत्तियाँ पनपने लगती हैं

(ख) जब कल्याणकारी नहीं रहतीं

(ग) जब दूसरी संस्कृतियों से टकराव होता है

(घ) जब मनुष्य अपनी संस्कृति को श्रेष्ठ मानने लगता है

(iv) सभ्यता और संस्कृति

(क) अलग-अलग हैं

(ख) एक ही हैं

(ग) परस्पर मित्र हैं

(घ) परस्पर सम्बद्ध हैं

(v) 'मानव की जो योग्यता उससे आत्म-विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? यह वाक्य निम्नलिखित में से किस प्रकार का है ?

(क) साधारण वाक्य

(ख) मिश्र वाक्य

(ग) संयुक्त वाक्य

(घ) क्रिया-विशेषण उपवाक्य

11. निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षेप में उत्तर दीजिए : *2×5=10*

(क) पुराने समय में स्त्रियों द्वारा प्राकृत भाषा में बोलना उनके अपढ़ होने का सबूत नहीं है । 'स्त्री-शिक्षा के विरोधी कुतर्कों का खंडन' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए ।

(ख) 'एक कहानी यह भी' पाठ की लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के लेखक को फ़ादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती है ?

(घ) आप यह कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खाँ मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे ? पाठ के आधार पर लिखिए ।

(ङ) 'आग के आविष्कार में कदाचित् पेट की ज्वाला की प्रेरणा एक कारण रही' — 'संस्कृति' पाठ के आधार पर कथन की पुष्टि कीजिए ।

12. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

दुविधा-हत साहस है, दिखता है पंथ नहीं,
देह सुखी हो पर मन के दुख का अंत नहीं ।
दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर,
क्या हुआ जो खिला फूल रस-बसंत जाने पर ?
जो न मिला भूल उसे कर तू भविष्य-वरण,
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना ।

(क) कवि के अनुसार जीवन-मार्ग दिखाई न पड़ने के कारण क्या हैं ? *2*

(ख) 'दुख है न चाँद खिला शरद-रात आने पर' पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए । *2*

(ग) वसंत के बीत जाने पर खिलने वाले फूल से क्या प्रेरणा ली जा सकती है ? *1*

अथवा

माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के ।

(क) माँ अपने चेहरे पर न रीझने की सीख क्यों दे रही है ? *1*

(ख) 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं' पंक्ति का आशय समझाइए । *2*

(ग) वस्त्र और आभूषणों को स्त्री जीवन के बंधन क्यों कहा गया है ? *2*

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) 'राम-लक्ष्मण-परशुराम संवाद' पाठ में लक्ष्मण ने वीर योद्धा की क्या-क्या विशेषताएँ बताई हैं ? *2*

(ख) 'मृगतृष्णा' किसे कहते हैं ? 'छाया मत छूना' कविता में इसका प्रयोग किस अर्थ में हुआ है ? *2*

(ग) फ़सल को उपजाने में सूरज की किरणों की क्या भूमिका होती है ? 'फ़सल' कविता के आधार पर बताइए । *1*

14. मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ के लेखक ने अपने आपको हिरोशिमा के विस्फोट का भोक्ता कब और किस तरह महसूस किया ? *5*

अथवा

गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा गया है ? 'साना साना हाथ जोड़ि' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए ।

खण्ड घ

15. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर निबन्ध लिखिए : *5*

(क) जैसा बोते हैं वैसा पाते हैं

(ख) जीवन की कोई सुखद घटना

(ग) परिश्रम में ही सफलता है

16. अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखकर अनुरोध कीजिए कि वे अंग्रेज़ी अध्यापिका के स्थान पर अन्य अध्यापिका की व्यवस्था न करें क्योंकि वे सक्षम हैं और उन पर सारी कक्षा का विश्वास है । *5*

अथवा

आवासीय विद्यालय में पढ़ने वाले छोटे भाई को पत्र लिखकर सलाह दीजिए कि वह अपने सामान्य ज्ञान को बढ़ाने के लिए नियमित रूप से समाचार-पत्रों को पढ़े ।